

there. ...**(व्यवधान)** आप बैठ जाएं। आपका कोई विषय है तो चेयरमैन से मिलें। रेवती रमन जी, यहां हाउस में मेरे से सीधे बात करने का कोई फायदा नहीं है। आपको हमेशा निरंतर मौका मिल रहा है, आप एक एक्टिव मेम्बर हैं। मैं जानता हूं कि इस उम्र में भी आप कष्ट करके इश्यू रेज़ करने की कोशिश करते हैं। जैसा मैंने कहा, once I receive notice, I go through it and then find out whether the issue can be raised in the present form and in the present Session. Then, you will get an opportunity. Keep that in mind. You have met me and you were given an opportunity for raising the issue yesterday. So, that will come in due course of time. So, you will have to bear with me. I have also seen a new tendency. Shri Binoy Viswam, do you want to say something on this issue? I called you yesterday but you were not there because you had been told that your name is not going to be there in the Zero Hour list. But later, we discussed and decided that during the discussion on the Insurance (Amendment) Bill in the evening, you will get an opportunity and you can make your point clear. That is why, you were not called.

SHRI BINOY VISWAM: Sir, may I make a small submission in one minute?

MR. CHAIRMAN: Not now. Then, when I found that there was time yesterday, suddenly, I called you when you were not there. So, there is no complaint at all because it is not your fault as your name was not listed. Nowadays, I have developed a new system. Whenever there is opportunity and time available, I go through names of the Members on Zero Hour submissions as well as Special Mentions and if those Members are present in the House, then I call them and give them an opportunity. So, that has to be understood. Otherwise, a wrong message might have gone that I called Shri Binoy Viswam; he gave notice and he was not there in the House. That is not the correct position. The correct position is this. So, that has to be understood. I think, you have also spoken yesterday.

SHRI BINOY VISWAM: Yes, Sir.

MR. CHAIRMAN: Okay. Now, Shri Akhilesh Prasad Singh.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION - Contd.

Poor families returning to traditional fuels due to hike in prices of LPG

श्री अखिलेश प्रसाद सिंह (बिहार) : सभापति महोदय, पिछले कुछ महीनों के दौरान घरेलू रसोई गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। उससे गरीब लोगों का जीना मुहाल हो गया है। पिछले वर्ष

नवम्बर से अब तक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 594 रुपए से लेकर 809 रुपए हो गई है, यानी करीब तीन महीनों में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 225 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा गैस सब्सिडी का जो पैसा लोगों के खाते में आता था, वह नौ-दस महीनों से रुका हुआ है। ऐसी स्थिति में आम जनता के लिए स्वच्छ ईंधन के रूप में एलपीजी का इस्तेमाल करना मुश्किल हो गया है। महंगाई के इस दौर में गरीब आदमी के पास इतने साधन नहीं हैं कि वह एलपीजी के सिलेंडर रीफिल करा सके। इसलिए शहरी झुग्गियों और गांवों में जो लोग एलपीजी से खाना बनाने लगे थे, उनमें से अधिकांश लोग ईंधन के पारम्परिक स्रोतों की ओर वापस लौट रहे हैं। हम लोग भ्रमण के दौरान देखते हैं कि अब...

श्री सभापति : अखिलेश जी, समय समाप्त हो गया, फिर भी आपने point raise किया।

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्री राजीव सातव (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Question Hour. It is 12'o clock. Question No. 256; Shri Abdul Wahab.
